

# Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



## News

### A day to Remember - teenagers camp to water park (5th Aug) (ISKCON, Punjabi Bagh)

After a long COVID hiatus, the ISKCON Teenager Forum at the Punjabi Bagh temple went out for an outbound to an adventure park on August 5, 2021. Teenagers aged between 13 to 16 attended the day outbound which started with the spiritual teachings and included many other activities for the physical, mental and spiritual development of all involved. The children had a great time and wished to have more such outings in future

### Trip to Vrindavan (7-8th Aug) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A 2-day trip to Vrindavan was organized for the senior congregation members. The highlight of the trip was the association and lectures by H.G. Rukmini Krishna prabhu. The group visited many new sthalis such as Sesashayi Visnu temple (where Srila Prabhupada met Srila Bhakti Siddhant Saraswati Thakur), Kokilavan and Yavat. Besides these, there were kirtans at ISKCON Vrindavan temple and Madan Mohan temple. It was a really enriching experience for all the participants.



### ISKCON Girls' Forum's Vrindavana Yatra (8th August) (IGF, ISKCON East of Kailash)

The Girls' Forum of ISKCON conducted a Vrindavana Yatra to Ter Kadamba, Barsana and Vrindavana. 150 devotee girls visited the various pastime places of the Lord. Hearing about the activities of the Lord, associating with devotees



## समाचार

### स्मरण रखने योग्य दिवस - वाटर पार्क में किशोर शिविर (5 अगस्त) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

5 अगस्त को, कोविड के लंबे सूनेपन के उपरान्त, पंजाबी बाग मंदिर का इस्कॉन किशोर मंच समूह एक रोमांच-उद्यान की यात्रा को निकला। १३ से १६ वर्ष की आयु के किशोरों ने बाहरी गतिविधि दिवस में भाग लिया, जो आध्यात्मिक शिक्षाओं के साथ आरम्भ हुआ और जिसमें सभी के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास हेतु कई अन्य गतिविधियाँ भी शामिल थीं। बच्चों ने बहुत अच्छा समय बिताया और भविष्य में इस प्रकार की और भी यात्रा करने की कामना की।

### वृंदावन यात्रा (7-8 अगस्त) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भक्त मण्डली के वरिष्ठ सदस्यों हेतु वृंदावन की 2 दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया था। यात्रा का मुख्य आकर्षण श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु का प्रवचन एवं उनका संग था। समूह ने शेषशायी विष्णु मंदिर (जहाँ श्रील प्रभुपाद, श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर से मिले थे), कोकिलावन और यावट जैसे कई नए स्थलों की यात्रा की। इससे अतिरिक्त, इस्कॉन वृंदावन मंदिर और श्री मदन मोहन मंदिर में कीर्तन भी अन्य आकर्षण रहे। वास्तव में यह सभी प्रतिभागियों के लिए एक समृद्ध अनुभव था।

### इस्कॉन बालिका मंच की वृंदावन यात्रा (8 अगस्त) (आईजीएफ, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन के बालिका मंच ने टेर कदंब, बरसाना और वृंदावन हेतु यात्रा आयोजित की। 150 भक्त बालिकाओं ने भगवान की विभिन्न लीला स्थलियों की यात्रा की। भगवान की लीलाओं का श्रवण, भक्तों का संग तथा धाम की कृपा का आनंद लेना इस यात्रा के मुख्य आकर्षण रहे। श्रीमान कृष्णप्रिया प्रभु और श्रीमती उर्मिला माताजी के संरक्षण में, बालिकाओं ने कृष्ण में अपने चिंतन और लीनता (अवशोषण) को कैसे सुधारें तथा भक्ति के विषय में और अधिक सीखा।



and relishing the mercy of dhaam, were the highlights of this yatra. Under the tutelage of H.G. Krishnapriya Prabhu and H.G. Urmila Mataji, the girls learnt more about bhakti, improvisation their contemplation and absorption in Krishna.

## **Janmashtami "Krishna Katha" Series (13th August onwards)** (ISKCON, Dwarka)

The celebration for Janmastami started early. The festivities started with hearing the nectarean pastimes about Lord's childhood pastimes. The lecture series was initiated by H.G. Amogh Lila Prabhu, Vice President ISKCON Dwarka, followed by many senior devotees delivering sweet and nectarine pastimes of the Lord to ears of devotees. Many devotees came to hear the Katha in temple and hundreds of them listened on online platforms like Zoom and ISKCON Dwarka YouTube channel.

## **Narasimha Yajna (15th August, 2021)** (ISKCON, Dwarka)

For the protection of his dear most devotee Prahlada Maharaja and to bring auspiciousness in universe the Lord took the most astonishing form of lion headed personality, Lord Narasimha. Devotees prayed to Narasimhadeva for all round protection of security forces who are continually engaged in their service so the common masses can sleep peacefully. Special Prayers were also made to Lord Narasimha to bless all Doctors, Nurses, Support Staff, Patients & all the volunteers serving humanity. The whole yajna ceremony was also made available on the ISKCON Dwarka YouTube channel so everyone got the opportunity to hear transcendental vibrations in troubling times.

## **Jhulan Yatra (18th August to 22nd August)**

Vedic culture has festivals and celebrations woven around service of the Lord, providing living entities opportunities to inculcate an attitude of devotion. In the sultry season Their Lordships are made to swing, in order to be pleased with breeze thus created. In the Jhulan Yatra, a swing adorned with flowers and fruits, fragrant and vibrant with many a hue, is a sight to behold. The beauty of the Divine Couple, attracts and captures the hearts of thousands who throng the temples to pull the swing, as an offering. This festival was celebrated from August 18 to 22nd. The festive look that the temple wore and the resounding kirtan filled the hearts of the devotees with devotion and love for their beloved Lordships.



## **जन्माष्टमी "कृष्ण कथा" श्रृंखला (13 अगस्त से)**

(इस्कॉन, द्वारका)

जन्माष्टमी का उत्सव पहले ही आरम्भ हो गया था। उत्सव का आरम्भ भगवान के बालपन की अमृतमयी लीलाओं के विषय में श्रवण के साथ हुआ। प्रवचन श्रृंखला का आरम्भ इस्कॉन द्वारका के उपाध्यक्ष श्रीमान अमोघ लीला प्रभु द्वारा किया गया, जिसके बाद कई वरिष्ठ भक्तों ने भक्तों के कानों में भगवान की सुमधुर और अमृतमयि लीलाओं का श्रवण कराया। मंदिर में कथा सुनने कई भक्त आए और अन्य सैकड़ों भक्तों ने जूम और इस्कॉन द्वारका जैसे यूट्यूब चैनल पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुना।

## **नरसिंह यज्ञ (15 अगस्त, 2021)**

(इस्कॉन, द्वारका)

अपने परम प्रिय भक्त प्रह्लाद महाराज की रक्षा तथा ब्रह्मांड के मंगल हेतु भगवान ने सिंह के सिर वाले भगवान नरसिंह का सबसे आश्चर्यजनक रूप धारण किया। भक्तों ने सुरक्षा बलों की चौतरफा सुरक्षा हेतु नरसिंहदेव से प्रार्थना की, जो सतत रूप से उनकी सेवा में लगे हुए हैं ताकि आम जनता शांति से सो सके। सभी डॉक्टरों, नर्सों, सपोर्ट स्टाफ, मरीजों और मानवता की सेवा करने वाले सभी स्वयंसेवकों को आशीर्वाद देने के लिए भगवान नरसिंहदेव से विशेष प्रार्थना भी की गई। संपूर्ण यज्ञ समारोह को इस्कॉन द्वारका यू-ट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध कराया गया था, ताकि सभी को संकट की घड़ी में दिव्य स्पंदन सुनने का अवसर प्राप्त हो सके।



## **झूलन यात्रा (18 अगस्त से 22 अगस्त)**

वैदिक संस्कृति में त्योहार और उत्सव भगवान की भक्ति-भावना से ओतप्रोत ही मनाये जाते रहे हैं, जो प्राणियों में भक्ति एवं सेवा स्थापित करने के अवसर प्रदान करते हैं। अतः इस उमस भरे मौसम में भगवान् को उनकी प्रसन्नता हेतु हवादार झूले में झुलाया जाता है। झूलन यात्रा में फूलों और फलों से सजा हुआ झूला, सुगंधित और कई रंगों से जीवंत होता है, जो देखने योग्य होता है। दिव्य युगल की सुंदरता, उन हजारों लोगों के हृदयों को आकर्षित और सम्मोहित करती है, जो मंदिरों में एक भेंट के रूप में, भगवान् को झूला झुलाने हेतु उमड़ते हैं। यह पर्व 18 अगस्त से 22 अगस्त तक मनाया गया। मंदिर में उत्सव के दर्शन कर और उनके कीर्तन की गूंज ने भक्तों के हृदयों को अपनी प्रिय भगवान् की भक्ति और प्रेम से भर दिया।

**Disappearance day of Srila Rupa Goswami (19th August)**  
(ISKCON, East of Kailash)

Serving and attaining mercy of a Vaishnava is a sure shot way of making advancement in Krishna conscious life. The appearance and disappearance days of great acharyas provide this opportunity. Srila Rupa Goswami is a prominent acharya in the Vaishnava tradition. The books that he wrote, the songs that he composed and the instructions that he left, were all in line with the desire and directives of Chaitanya Mahaprabhu. Gaudiya Vaishnavas follow Srila Rupa Goswami in order to progress on the spiritual path. There was a pushpanjali organised at the temple. Kirtan and glorification was held. Devotees sang bhajans by Srila Rupa Goswami, in an attempt to immerse themselves in recapitulating his guidelines to perfect the human birth.

**New Altars from the Lordships**  
(ISKCON, East of Kailash)

This Janmashtami Sri Sri Radha Parthasarathi, Sri Sri Gaura Nitai and Sri Sri Sitaram Lakshman Hanuman, received a special birthday gift: brand new altars. The exquisite marble structures mounted with wooden domes, supported by pillars with intricate patterns, have been erected in all the three altars. The murals too have been repainted, offering the temple a fresh look. Several structural changes are underway in order to enhance the beauty of the temple hall. Many devotees worked round the clock to make this happen including H.H. Bhakti Rakshak Gokulananda Maharaja, H.G. Samba Prabhu, H.G. Sadhu Hriday Prabhu.



**श्रील रूप गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (19 अगस्त)**  
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

सेवा करना तथा वैष्णव कृपा प्राप्त करना कृष्ण भावनाभावित जीवन में उन्नति करने की एक निश्चित विधि है। महान आचार्यों के आविर्भाव और तिरोभाव दिवस हमें यह अवसर प्रदान करते हैं। श्रील रूप गोस्वामी जी वैष्णव परंपरा में एक प्रमुख आचार्य हैं। उन्होंने जो पुस्तकें लिखीं, जो गीत उन्होंने रचे और जो निर्देश उन्होंने दिए, वे सभी चैतन्य महाप्रभु की इच्छा और निर्देशों के अनुरूप थे। गौड़ीय वैष्णव आध्यात्मिक पथ पर प्रगति हेतु श्रील रूप गोस्वामी का अनुसरण करते हैं। मंदिर में पुष्पांजलि का आयोजन किया गया तथा उनका कीर्तन और महिमामंडन भी किया गया। भक्तों ने श्रील रूप गोस्वामी के भजन गाए, एवं मानव जीवन की पूर्णता हेतु उनके दिशानिर्देशों की पुनरावृत्ति में स्वयं को निमग्न करने का प्रयास किया।



**भगवान् के विग्रहों हेतु नई वेदियां**  
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस जन्माष्टमी पर भगवान् श्री श्री राधा पार्थसारथी, श्री श्री गौर नित्ताई एवं श्री श्री सीताराम लक्ष्मण हनुमान जी आदि को जन्मदिन का एक विशेष उपहार : पूर्ण नवीन वेदियां मिलीं। लकड़ी के गुम्बदों से युक्त, उत्कृष्ट संगमरमर की संरचनाएं, जटिल नक्काशी वाले खंभों द्वारा समर्थित, तीनों वेदियों में खड़ी की गई हैं। भित्तिचित्रों को भी पुनः रंगा गया है, जो मंदिर को एक नवीन रूप प्रदान करते हैं। मंदिर के हॉल की सुंदरता में वर्धन हेतु कई संरचनात्मक परिवर्तन किए जा रहे हैं। कई भक्तों ने ऐसा करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया, जिसमें परम पूज्य भक्ति रक्षक गोकुलानंद महाराज, श्रीमान सांबा प्रभु एवं श्रीमान साधु हृदय प्रभु शामिल हैं।



## Leaving a better world for our future generations - Value Education Olympiad (August 2021) (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON and GEV have come together for a UN Environment Programme Support to Teach Eco-Friendly Values Using Bhagavad-gita. This year, the popular Olympiad, started by ISKCON in India, will be held online and will focus on environmental themes due to the current urgency around climate change. Using a series of study guides, seminars and workshops from August 1st to September 26th, followed by an exam on October 17th, the Olympiad will teach students age 10 to 18 to imbibe values that make them sensitive to caring for the environment, using teachings from the Bhagavad-gita

In India, temples who are already involved include ISKCON of Punjabi Bagh, Delhi, which is organizing the Olympiad, as well as Pune, Bangalore, Sri Rangam, Meerut, and Nagpur. Internationally, temples involved include ISKCON of Vancouver in Canada; Sydney and Brisbane in Australia; and temples in South Africa and Malaysia.

After registering at [www.veolympiad.com](http://www.veolympiad.com), students can download the study booklet in Hindi or English. Entitled "Futureethics: Values That Will Drive the Future of the Planet," the booklet comes in an 80-page version for the junior group of 10 to 13, and a 120-page version for the senior group of 14 to 18.

The booklet covers six values in detail, reportedly taken from a UN study citing values that make an individual more sensitive to caring for the environment: **1) Altruism, 2) Trustworthiness, 3) Equity, 4) Justice, 5) Integrity, and 6) Honesty.**

Along with the study of this booklet, students are attending a series of seven online seminars and two workshops by influential environmentalists, educators, and preachers, given on successive Sundays from August 1st until September 26th. The first, given on August 1st by HG Gauranga Das, Director of Govardhana Eco Village, was on the topic - "Inner climate change to outer climate change: Importance of Value Education in fighting climate change." The second workshop was delivered by Dr. Livleen Kaur Kahlon, Associate Director of Environment Education and Awareness at The Energy and Resources Institute (TERI) in New Delhi. She spoke on August 8th about the value of honesty. And on August 15th, ISKCON Communications Director Anuttama Das spoke on the value of integrity, with the next one being taken by the famous wellness speaker Subah Jain Saraf and her husband

Other speakers will include Rukmini Devi Dasi, a disciple of Srila Prabhupada and founder of Urban Devi, who will speak on altruism; The seminars will be followed by a workshop by SOWGOOD on growing microgreens on September 19th, and one on making bio-enzyme household cleaners from fruit and vegetable peels on September 26th.

## अपनी आने वाली पीढ़ियों हेतु एक बेहतर संसार छोड़ना - वैल्यू एजुकेशन ओलंपियाड (अगस्त 2021) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन और गोवर्धन ईको विलेज संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के समर्थन हेतु एक संग आएं हैं ताकि भगवद-गीता का उपयोग करके पर्यावरण के अनुकूल मूल्यों को पढ़ाया जा सके।

इस वर्ष, भारत में इस्कॉन द्वारा आरम्भ किया गया लोकप्रिय ओलंपियाड, ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा और वर्तमान तात्कालिकता के कारण जलवायु परिवर्तन के आसपास के पर्यावरणीय विषयों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

1 अगस्त से 26 सितंबर तक अध्ययन दिग्दर्शिकाओं, सेमिनारों और कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का उपयोग करते हुए, तत्पश्चात् 17 अक्टूबर को एक परीक्षा, होगी। ओलंपियाड, 10 से 18 वर्ष की आयु के छात्रों को, श्रीमद् भगवद-गीता की शिक्षाओं का उपयोग कर, उन मूल्यों को आत्मसात करना सिखाएगा जो उन्हें पर्यावरण की देखभाल के प्रति संवेदनशील बनाते हैं।

भारत में, जो मंदिर शामिल हैं उनमें पंजाबी-बाग-दिल्ली का इस्कॉन मंदिर शामिल है, जो ओलंपियाड का आयोजन कर रहा है, साथ ही पुणे, बेंगलोर, श्री-रंगम, मेरठ और नागपुर के मंदिर भी शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, शामिल मंदिरों में कनाडा में वैकूवर का इस्कॉन शामिल है; ऑस्ट्रेलिया में सिडनी और ब्रिस्बेन; और दक्षिण अफ्रीका तथा मलेशिया के मंदिर भी शामिल हैं।

[www.veolympiad.com](http://www.veolympiad.com) पर पंजीकरण करने के उपरान्त छात्र अध्ययन पुस्तिका हिंदी या अंग्रेजी में डाउनलोड कर सकेंगे। रफ्यूचरथिक्स: वैल्यूज दैट विल ड्राइव द फ्यूचर ऑफ द प्लेनेट शीर्षक वाली यह पुस्तिका 10 से 13 वर्ष के जूनियर समूह हेतु 80-पृष्ठ संस्करण में और 14 से 18 वर्ष के वरिष्ठ समूह हेतु 120-पृष्ठ संस्करण में आती है।

पुस्तिका में छह मूल्यों को विस्तार से शामिल किया गया है, जो कथित तौर पर उन मूल्यों का संकेत देते हुए संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन से लिए गये हैं जो किसी व्यक्ति को पर्यावरण की देखभाल हेतु अधिक संवेदनशील बनाते हैं: जैसे 1) परोपकारिता, 2) विश्वसनीयता, 3) निष्पक्षता, 4) न्यायप्रियता, 5) अखंडता, और 6) सत्यता।

इस पुस्तिका का अध्ययन करने के साथ-ही साथ, छात्र 1 अगस्त से 26 सितंबर तक, प्रभावशाली पर्यावरणविदों, शिक्षकों और प्रचारकों द्वारा लगातार रविवारों को दिए जाने वाले सात ऑनलाइन सेमिनारों और दो कार्यशालाओं की एक श्रृंखला में भाग ले रहे हैं। प्रथम संगोष्ठी, 1 अगस्त को गोवर्धन ईको विलेज के निदेशक श्रीमान गौरंग दास

द्वारा दी गई, जो इस विषय पर रही कि र्आंतरिक जलवायु परिवर्तन से बाहरी जलवायु परिवर्तन कैसे होता है। 2 अगस्त को नई दिल्ली में द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) में पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. लवलीन कौर कहलॉन ने 8 अगस्त को ईमानदारी के मूल्य के विषय में वार्ता की। और 15 अगस्त को, इस्कॉन संचार निदेशक अनुत्तम दास ने सत्यनिष्ठा के मूल्य पर बात की, उससे अगली संगोष्ठी को प्रसिद्ध वेलनेस स्पीकर सुबाह जैन सराफ और उनके पति द्वारा लिया गया।



## Seminars in August

In the last week of July, Institute for Science and Spirituality (ISS) conducted a session entitled 'Science of values' on 25/07/2021 wherein the speaker brought forth a dialogue on how values are a part of science since we can see the direct cause and effect of values on our lives. It was emphasized in the talk that values are one of the traits which help us differentiate between an animal and a human being. Next lecture entitled "Neuroscientific controversies over Free Will" that took place on 01/08/21 was taken by Dr. Jyotiranjana Beuria. He discussed with the audience about the controversies surrounding freewill and its resolution in Vedantic philosophy. Thereafter, a two-lecture series by Mr. Chandru Ramesh was initiated by ISS. A talk entitled 'Homeland of Aryans' was held on 08/08/2021. From the vast body of historical knowledge that Mr. Chandru possesses, he dispelled the various myths and fallacies regarding the identity of the Aryan people and the original homeland of the Aryans. He also dealt with the truth regarding Aryan invasion theory. The second lecture entitled 'Cross cultural traces of the Vedic civilization' on 15/08/2021 covered the direction of movement of the Aryans as well as the evidence of traces of Vedic culture outside India. These sessions were attended by large number of intellectuals and were highly appreciated (especially the sessions by Mr. Chandru Ramesh). In addition to this the sessions on the course 'Art and Science of Practicing Spirituality (ASPS)' are being conducted weekly for the different groups by the designated group mentors. Meanwhile the IIT Delhi chapter of ISS is regularly conducting Bhagavad Gita online classes in Science, Spirituality and Sustainability group on Facebook every Friday evening for the benefit of its members. The membership of the group is about 280 in number.



## Appearance of Lord Balarama (22nd August) (ISKCON, East of Kailash)

There was an Adivasa ceremony observed before the festivities for Balarama Purnima began. This was to invoke all auspiciousness, amidst pristine chanting of Vedic mantras and the chanting of the holy name. As Krishna's first expansion, Lord Balarama is non-different from Him. Scriptures explain that Balarama is like the mirror image of the Lord. Lord Balarama is also the Adi-Guru, the repository of spiritual strength. His favour and mercy must be obtained, in order to move forward on the spiritual path. His appearance was celebrated with much zeal and vigour. An abhishek was organised in the temple hall, amidst kirtan and chanting of the holy names. Thousands visited the temple for the

अन्य वक्ताओं में श्रील प्रभुपाद की शिष्या और अर्बन-देवी की संस्थापक रुक्मिणी देवी दासी शामिल होंगी, जो परोपकारिता पर बोलेंगी; संगोष्ठियों के उपरांत 19 सितंबर को SOWGOOD द्वारा माइक्रोग्रीन उगाने पर एक कार्यशाला और 26 सितंबर को फलों और सब्जियों के छिलके से बायो-एंजाइम घरेलू क्लीनर बनाने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

## अगस्त में सेमिनार

जुलाई के अंतिम सप्ताह में, विज्ञान एवं आध्यात्मिकता संस्थान (आईएसएस) ने 25/07/2021 को 'मूल्यों का विज्ञान' नामक एक सत्र आयोजित किया, जिसमें वक्ता ने बताया कि कैसे हमारे मूल्य विज्ञान का ही एक हिस्सा हैं चूँकि हम अपने जीवन पर मूल्यों के कारण एवं प्रभाव को प्रत्यक्ष देख सकते हैं। वार्ता में इस बात पर बल दिया गया कि मूल्य एक ऐसा लक्षण हैं जो हमें जानवर और इंसान के बीच अंतर करने में सहायक हैं। 01/08/21 को हुआ स्वतंत्र इच्छा शक्ति पर आधारित तंत्रिकाविज्ञानी विवाद नामक अगला व्याख्यान डॉ. ज्योतिरंजन बेडरिया द्वारा लिया गया। उन्होंने श्रोताओं के साथ स्वतंत्र इच्छा के आसपास के विवादों और वेदांत दर्शन में इसके समाधान के विषय में वार्ता की। तत्पश्चात, श्रीमान चंद्र रमेश द्वारा दो-व्याख्यान श्रृंखला आईएसएस द्वारा शुरू की गई। 08/08/2021 को 'आर्यों की मातृभूमि' नामक एक वार्ता का आयोजन किया गया। श्रीमान चंद्र के पास मौजूद विशाल ऐतिहासिक ज्ञान से, उन्होंने आर्य लोगों की पहचान और आर्यों की मूल मातृभूमि के विषय में विभिन्न मिथकों और भ्रान्तियों को दूर किया। उन्होंने आर्यों के आक्रमण सिद्धांत के विषय में भी सच्चाई का सामना कराया। 15/08/2021 को 'वैदिक सभ्यता में पारस्परिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान के चिन्ह' नामक दूसरे व्याख्यान में आर्यों के आंदोलन की दिशा के साथ-साथ भारत के बाहर वैदिक संस्कृति के साक्ष्य एवं प्रमाण शामिल थे। इन सत्रों में बड़ी संख्या में बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और उनकी अत्यधिक सराहना भी की गई (विशेषकर श्रीमान चंद्र रमेश के सत्र)। इसके अतिरिक्त, 'आध्यात्मिकता के अभ्यास की कला एवं विज्ञान (एसपीएस)' पाठ्यक्रम पर सत्र अलग-अलग समूहों हेतु नामित समूह-संरक्षकों द्वारा साप्ताहिक रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। इस मध्य आई.एस.एस. की आई.आई.टी. दिल्ली शाखा नियमित रूप से अपने सदस्यों के लाभार्थ प्रति शुक्रवार संध्या फेसबुक पर विज्ञान, अध्यात्म एवं स्थिरता समूह में भगवद गीता की ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित कर रहा है। समूह की सदस्यता संख्या लगभग 280 है।

## भगवान बलराम का प्राकट्य (22 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

बलराम पूर्णिमा के उत्सव के आरम्भ होने से पूर्व एक आदिवास समारोह मनाया गया। यह वैदिक मंत्रों के आरम्भिक स्वस्तिवाचन और पवित्र हरिनाम के जाप के मध्य सर्वमङ्गल का आह्वान करने हेतु था। कृष्ण के प्रथम विस्तार के रूप में, भगवान बलराम उनसे अभिन्न हैं।



darshans of Their Lordships.

As a precursor to this celebration, a Krishna Balarama Shobha yatra was taken out on the campus of ISKCON, East of Kailash. Devotees welcomed their beloved Lord, with dioramas, arati and bhoga offerings.



## 🌳 Appreciation for the Olympian (ISKCON, Dwarka)

The history that our players Neeraj Chopra, Saikhom Mirabai Chanu, Ravi Kumar Dahiya PV Sindhu, Lovlina Borgohain, Bajrang Punia and our men's hockey team have created, has rejuvenated the atmosphere of the country amid this pandemic. To celebrate their achievements and keep these memories afresh, ISKCON Dwarka has offered a token of appreciation in form of Lifetime membership of ISKCON, Free Lifetime Services at Govindas Restaurant and Free accommodation facility in the guest house of ISKCON Dwarka.

## 🌳 Second month of Chaturmasya begins (22nd August)

The second month of Chaturmasya began from 22nd August. Devotees abstained from the consumption of curd/yogurt, during this month.

## 🌳 Janmashtami (30th August)

The Adivasa ceremony for the celebration of Janmashtami was a grand affair. The whole atmosphere pulsated with the Mahamantra, purifying and sublime. This marked the auspicious beginning of the various events of the festival. Janmashtami is the celebration of the advent of Lord Krishna. The celebration of Janmashtami was marked by the week-long Krishna Katha organised by the temple. There was a grand abhishek at midnight which was witnessed by thousands onsite and millions online. Tumultuous kirtan



शास्त्र बताते हैं कि बलराम भगवान की दर्पण छवि के समान हैं। भगवान बलराम आध्यात्मिक शक्ति के भंडार आदि-गुरु भी हैं। अध्यात्म मार्ग पर आगे बढ़ने हेतु उनकी कृपा और दया अवश्य प्राप्त करनी चाहिए। उनका प्राकट्य बहुत उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। भगवान् के कीर्तन और पवित्र हरिनाम के जाप के मध्य, मंदिर हॉल में अभिषेक का आयोजन किया गया। हजारों भक्तों ने अपने प्रभु के दर्शनों हेतु मंदिर आगमन किया।

इस उत्सव के पूर्वगामी रूप में, इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश के मंदिर परिसर में एक कृष्ण बलराम शोभा यात्रा निकाली गई। भक्तों ने अपने प्रिय भगवान का चित्रावलियों, आरती और भोग प्रसाद के साथ स्वागत किया।

## 🌳 ओलंपियनों की सराहना

(इस्कॉन, द्वारका)

हमारे खिलाड़ियों नीरज चोपड़ा, सैखोम मीराबाई चानू, रवि कुमार दहिया, पीवी सिंधु, लवलीना बोरगोहेन, बजरंग पुनिया और हमारी पुरुष हॉकी टीम ने जो इतिहास रचा है, उसने इस महामारी के मध्य भी देश के वातावरण को पुनः जीवंत कर दिया है। उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाने और इन स्मृतियों को ताजा रखने हेतु, इस्कॉन द्वारका ने इस्कॉन की आजीवन सदस्यता, गोविंदास रेस्तरां में मुफ्त लाइफटाइम सेवाएं और इस्कॉन द्वारका के गेस्ट हाउस में मुफ्त आवास की सुविधा के रूप में सराहा है।



## 🌳 चतुर्मास का दूसरा महीना आरम्भ (22 अगस्त)

22 अगस्त से चतुर्मास का दूसरा महीना आरम्भ हो गया है। इस महीने में भक्तों ने दही के सेवन से परहेज किया है।

## 🌳 जन्माष्टमी (30 अगस्त)

जन्माष्टमी के उत्सव हेतु आदिवास समारोह एक भव्य उत्सव था। पवित्र और उदात्त महामंत्र से सम्पूर्ण वातावरण स्पंदित हो गया। इसने त्योहार में विभिन्न आयोजनों के मंगल आरम्भ को चिह्नित किया। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के आगमन का उत्सव है। जन्माष्टमी का उत्सव मंदिर द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाली कृष्ण कथा द्वारा आरम्भ किया गया। आधी रात को एक भव्य अभिषेक हुआ, जिसे हजारों लोगों ने मंदिर में और लाखों लोगों ने ऑनलाइन देखा। कोलाहलपूर्ण कीर्तन और मंत्रोच्चार, देदीप्यमान दर्शन और विपुल भक्त उत्सव की पहचान रहे। मंदिर में आने वाले भगवान के श्रद्धालुओं की देखभाल करके, भक्तों ने उनकी कृपा पाने के प्रयास में उनके दर्शन को लागू करने का प्रयास किया, जिनके रूप और लीला दोनों ही दिव्य हैं।

and chanting, resplendent darshans and exuberant devotees were the hallmark of the celebrations. Serving by taking care of the guests of the Lord who visit the temple, devotees tried to apply the philosophy of trying to get the grace of Him, whose appearance and pastimes are both transcendental.

## **A chance to be a step closer to Srila Prabhupada (ISKCON, Punjabi Bagh)**

As part of 125th year celebrations of Srila Prabhupada's birth anniversary, amongst many other initiatives, ISKCON Punjabi Bagh is organizing '125 Srila Prabhupada's lecture series'. This can bring more depth and quality to one's spiritual journey. On registering for the series, you will be able to do the following:

1. You will receive ONE audio class of Srila Prabhupada along with its transcription and questionnaire.
2. Hear the class in your own time, fill in simple questionnaire and mail back to us.
3. Upon receiving the answers, we will send next class and questionnaire.

We go on a journey to complete hearing 125 recorded classes that Srila Prabhupada gave.

### **This journey will:**

1. Facilitate you in deepening your relationship with Krishna through the teachings of Srila Prabhupada.
2. Save the hassle of choosing next class. (One class only at a time.)
3. Help you focus on and prioritise your spiritual diet.
4. Bring empowerment, clarity and inspiration to live the way Srila Prabhupada lived and serve the way he served.

The register can be done on the following link on ISKCON Punjabi Bagh website:

<https://www.iskconpunjabibagh.com/125-lectures/>

Charges: Rs 125/- per module. 1 module consist of 25 classes. For any queries, WhatsApp at +918860295519, 8802212763. Registrations for Module 2 of sloka memorization are now open. Next batch is starting from 20th September, 2021. This is an invitation to anyone who would like to memorize and connect with transcendental verses and their meanings. Register at: [www.iskconpunjabibagh.com/celebration](http://www.iskconpunjabibagh.com/celebration)

## **Appearance day of Srila Prabhupada (31st August)**

This year ISKCON celebrated the 125th birth anniversary of its Founder Acharya, A.C Bhaktivedanta Swami Srila Prabhupada. One of the stalwart preachers of Vedic wisdom, Srila Prabhupada has earned a special place in the list of Modern-day saints. All around the world, Srila Prabhupada has been acknowledged as being synonymous with the flawless ancient wisdom of the East. He established tenets of Krishna consciousness all around the world, in a short span of time, transforming lives and making hippies, happy.

Prabhupada's appearance day was celebrated with abhishek and glorification. Devotees reminisced their interactions and realisations about how Prabhupada continues to be an integral part of their spiritual lives,

## **श्रील प्रभुपाद के समीप एक कदम और आगे बढ़ने का अवसर**

(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रील प्रभुपाद की जयंती के 125वें वर्ष समारोह के भाग के रूप में, कई अन्य पहलों के मध्य, इस्कॉन पंजाबी बाग '125 श्रील प्रभुपाद की व्याख्यान श्रृंखला' का आयोजन कर रहा है। यह किसी की आध्यात्मिक यात्रा में अधिक गहराई और गुणवत्ता ला सकता है। श्रृंखला हेतु पंजीकरण करने पर, आप निम्न कार्य करने में सक्षम होंगे:



1. आपको श्रील प्रभुपाद का एक ऑडियो प्रवचन, इसकी प्रतिलिपि और प्रश्नावली के साथ प्राप्त होगा।
2. कक्षा को स्वयं के समय पर सुनें, साधारण प्रश्नावली भरें और हमें वापस मेल करें।
3. उत्तर मिलने पर हम अगली कक्षा और प्रश्नावली भेजेंगे।

हम श्रील प्रभुपाद द्वारा दी गई 125 रिकॉर्डेड कक्षाओं को सुनने की एक यात्रा करेंगे।

### **यह यात्रा इस प्रकार होगी:**

1. श्रील प्रभुपाद की शिक्षाओं के माध्यम से कृष्ण के साथ अपने संबंधों को गहरा करने में स्वयं की सहायता करें।
2. अगली कक्षा चुनने की जल्दबाजी से बचें। (एक समय में केवल एक कक्षा।)
3. स्वयं को प्राथमिकता देकर, आध्यात्मिक पोषण पर ध्यान केंद्रित करने में अपनी सहायता करें।
4. श्रील प्रभुपाद जिस प्रकार से रहते थे और जिस तरह से उन्होंने सेवा की थी, उसे जीने हेतु सशक्तिकरण, स्पष्टता और प्रेरणा लाएं।

इस्कॉन पंजाबी बाग की वेबसाइट में, निम्न लिंक पर जाकर रजिस्टर किया जा सकता है:


Founder Acharya : His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Srila Prabhupada


SRILA PRABHUPADA 125 LECTURE SERIES


a sacred journey to connect with Srila Prabhupada Vani

Only in 3 easy steps

- Receive one class and questionnaire in your mail
- Hear the class
- Mail back the answers

Repeat

- No worry over what to hear next.
- Assess and improve learning by answering questions.
- Better retention.
- Volunteers's support for consistency and focus.
- Cultivation of a very personal and deeper connection with Krishna and Srila Prabhupada.



REGISTER NOW

[www.iskconpunjabibagh.com/125-lectures/](http://www.iskconpunjabibagh.com/125-lectures/)  
 Fee Rs 125/- per module / 1 Module = 25 Classes  
 Language : ENGLISH  
 Starts on 31st Aug, 2021 (Srila Prabhupada Vyaspuja Day)  
 For any help, WhatsApp at 8802212763

through his instructions, books and memoirs. A grand feast was organised by the temple. The congregation largely participated in the bhoga preparation. Kirtan and chanting embellished the celebrations. The day was spent in remembering the greatest acharya of Modern times, with renewing vows of dedication and determination to follow in his footsteps.



<https://www.iskconpunjabibagh.com/125-lectures/>

शुल्क: 125/- रुपये प्रति मॉड्यूल। 1 मॉड्यूल में 25 प्रवचन होते हैं। किसी भी प्रश्न के लिए, व्हाट्सएप करें +918860295519, 8802212763।

श्लोक कण्ठस्तीकरण हेतु मॉड्यूल 2 के लिए पंजीकरण अब खुले हैं। अगला सत्र २० सितंबर, २०२१ से आरम्भ हो रहा है। यह उन सभी के लिए एक निमंत्रण है जो दिव्य श्लोकों और उनके अर्थों को कंठस्त करने और उनसे जुड़ना चाहते हैं। यहां रजिस्टर करें: [www.iskconpunjabibagh.com/celebration](http://www.iskconpunjabibagh.com/celebration)

## श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस (31-अगस्त)

इस वर्ष इस्कॉन ने अपने संस्थापक आचार्य, ए सी भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद की 125वीं जयंती मनाई। वैदिक विज्ञान के महान प्रचारकों में से एक, श्रील प्रभुपाद ने आधुनिक युग के संतों की सूची में एक विशेष स्थान अर्जित किया है। संसार भर में, श्रील प्रभुपाद को पूर्व के दोषरहित प्राचीन वैदिक ज्ञान के पर्याय के रूप में स्वीकार किया गया है। उन्होंने बहुत कम समय में, संसार भर में जीवन परिवर्तनीय, कृष्ण भावनामृत के सिद्धांतों को स्थापित किया और हिप्पियों को हैप्पी अर्थात् प्रसन्न बना दिया।

प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस अभिषेक और उनकी महिमा गायन के साथ मनाया गया। भक्तों ने प्रभुपाद के निर्देशों, पुस्तकों और संस्मरणों के माध्यम से सदा के लिए अपने आध्यात्मिक जीवन का एक अभिन्न अंग बने रहने के विषय में उनके अनुभवों और वार्ताओं का स्मरण किया। मंदिर की ओर से भव्य भोज प्रसादम का आयोजन किया गया। भक्त मंडली ने बड़े स्तर पर भोग बनाने की तैयारी में भाग लिया। कीर्तन और मंत्रोच्चार ने समारोह को अलंकृत कर दिया। यह दिन आधुनिक समय के महानतम आचार्य को उनके पदचिन्हों पर चलने हेतु समर्पण और दृढ़ संकल्प के नवीनीकरण के साथ स्मरण करने में बिताया गया।



## Upcoming events:

### Radhastami (14th September)

The Queen of Vrindavana is the shelter of all devotees. The pleasure potency of the Lord, Srimati Radharani, is the greatest of all devotees, knowing the Lord's heart even better than He Himself does. Radhastami is the appearance of Radharani as the daughter of Vrishbhanu in Barsana. Devotees look forward to celebrating this occasion with abhishek, kirtan and glorifying through bhajans penned by exalted Vaishnavas, in honour of Srimati Radharani. A half day fast will be observed, followed by sumptuous feast consisting of the favourite dishes of Radhika.

### Appearance day of Srila Jiva Goswami (18th September) (ISKCON, East of Kailash)

The Vaishnava disciplic succession consists of the most erudite scholars, who not only studied and presented but also exemplified the principles of Krishna consciousness. Srila Jiva Goswami, one of the six Goswamis of Vrindavana, is one such personality. His most important contribution besides many others, is the establishment of the tradition of preaching and book distribution. His inspiration lies at the



## आगामी कार्यक्रम

### राधाष्टमी (14 सितंबर)

वृंदावन की महारानी सभी भक्तों की आश्रय हैं। भगवान की अल्हादिनी शक्ति श्रीमति राधारानी, सभी भक्तों में सबसे महान हैं, वे भगवान के हृदय को स्वयं उनसे भी अधिक भलीभांति जानती हैं। राधाष्टमी, वृषभानु नंदिनी के रूप में बरसाने में जन्मी, श्रीमति राधारानी का प्राकट्य दिवस है। भक्तजन इस अवसर को श्रीमति राधारानी के सम्मान में, उच्च वैष्णवों द्वारा लिखे गए भजनों के माध्यम से अभिषेक, कीर्तन और महिमामंडन





base of many a precept of bhakti, as popularised by stalwart preachers of the Modern age, such as; Srila Bhaktivinoda Thakura, Srila Bhakti Siddhanta Sarasvati Maharaja and Srila Prabhupada. His appearance day will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. Devotees will glorify the great acharya, absorbing their minds in the teachings and instructions he propagated.



## Appearance Day of Srila Bhaktivinoda Thakura (19th September) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Bhaktivinoda Thakura appeared in a Bengali family, exhibiting signs of extraordinariness from a very early age. Engaged as a senior official of the British Empire, he was well-known for his in-depth study and practice of Vaishnavism. Dedicated to the cause of resurrection of this great tradition, Srila Bhaktivinoda Thakura, wrote a great gamut of literature including songs and bhajans, along with finding out the birthplace of Lord Chaitanya. He attempted to take Vaishnava philosophy to lands beyond the seas. His appearance day will be celebrated with pushpanjali, kirtan and glorification. His example inspires householder devotees to become fixed and determined in devotional service, without the seeming obstacles of grihastha life.

## Disappearance Day of Srila Haridasa Thakura (19th September) (ISKCON, East of Kailash)

The holy name is hailed as being non-different from Krishna. The only way to cross the ocean of nescience, in Kaliyuga, is to chant the holy names. Srila Haridasa Thakura is the Namacharya, or the one who perfected the name. He chanted 192 rounds every day, refusing to give up even at the behest of Chaitanya Mahaprabhu Himself. Haridasa Thakura's life exemplifies the stature, the one who is attached to the holy name, can attain. He is most beloved to Mahaprabhu who danced on the beach of Puri, declaring it to have become sanctified by the bathing of the body of Srila Haridasa Thakura, after his departure. The glorious passing away of this great acharya will be celebrated with abhishek, kirtan and glorification.



## Third month of Chaturmasya begins (20th September)

The third month of Chaturmasya will be observed with abstinence from milk.

के साथ मनाने के लिए उत्सुक हैं। आधे दिन का उपवास रखा जाएगा, उसके बाद श्रीमती राधिका के पसंदीदा व्यंजनों से युक्त एक भव्य भोज प्रसादम आयोजित होगा।

## श्रील जीव गोस्वामी का आविर्भाव दिवस (18 सितंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

वैष्णव परंपरा में सर्वाधिक बहुश्रुत विद्वान शामिल हैं, जिन्होंने न केवल अध्ययन किया और उसे प्रस्तुत किया अपितु कृष्ण भावनामृत में सिद्धांतों का एक उदाहरण भी प्रस्तुत किया। वृंदावन के छह गोस्वामीयों में से एक, श्रील जीव गोस्वामी भी ऐसा ही एक व्यक्तित्व हैं। कई अन्य योगदानों के अतिरिक्त उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान हरिनाम प्रचार और पुस्तक वितरण परंपरा की स्थापना है। उनकी प्रेरणा कई भक्ति उपदेशों का आधार है, जैसा कि आधुनिक युग के दिग्गज प्रचारकों जैसे; श्रील भक्तिविनोद ठाकुर, श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती महाराज और श्रील प्रभुपाद द्वारा प्रचार किया गया है। उनका प्राकट्य दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण महान आचार्य का महिमा का गायन करेंगे, और अपने मन को उनके द्वारा प्रचारित शिक्षाओं और निर्देशों में तल्लीन करेंगे।

## श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का आविर्भाव दिवस (19 सितंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

एक बंगाली परिवार में जन्मे श्रील भक्तिविनोद ठाकुर बहुत कम उम्र से ही असाधारण लक्षण प्रदर्शित करते हुए दिखते थे। ब्रिटिश साम्राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत वे वैष्णववाद के अपने गहन अध्ययन और अभ्यास हेतु प्रसिद्ध थे। इस महान परंपरा के पुनरोत्थान हेतु समर्पित, श्रील भक्तिविनोद ठाकुर ने भगवान चैतन्य के जन्मस्थान का पता लगाने के साथ-साथ गीतों और



भजनों सहित वैष्णव साहित्य को एक महान विस्तार दिया। उन्होंने वैष्णव दर्शन को समुद्र पार ले जाने का प्रयास भी किया। उनका आविर्भाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और उनके महिमामंडन के साथ मनाया जाएगा। उनका उदाहरण गृहस्थ भक्तों को, गृहस्थ जीवन की प्रतीत होने वाली बाधाओं में पड़े बिना, भक्ति में और अधिक दृढ़ एवं स्थिर होने हेतु प्रेरित करता है।

## श्रील हरिदास ठाकुर का तिरोभाव दिवस (19 सितंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

पवित्र हरिनाम कृष्ण से अलग न होने के कारण सर्वत्र विजयी है। कलियुग में अज्ञान के सागर को पार करने की एकमात्र विधि पवित्र नामों का जाप करना है। श्रील हरिदास ठाकुर नामाचार्य हैं, अथवा जिनको नाम सिद्ध हो गया है। उन्होंने स्वयं चैतन्य महाप्रभु के कहने पर भी हार मानने से इंकार करते हुए प्रतिदिन 192 माला का जप किया। हरिदास ठाकुर का जीवन उनके कद का परिचायक है, जो पवित्र नाम से जुड़ा है, वही यह प्राप्त कर सकता है। वह महाप्रभु के सबसे प्रिय हैं, जिनके देहत्यागोपरांत, पुरी के समुद्र तट पर नृत्य करते हुए महाप्रभु ने यह घोषणा की थी कि श्रील हरिदास ठाकुर के शरीर के स्नान से हम पवित्र हो गए हैं। इन महान आचार्य के गौरवमयी तिरोभाव को अभिषेक, कीर्तन और उनके गुणानुवर्णन के साथ मनाया जाएगा।

## चातुर्मास्य का तीसरा महीना आरम्भ (20 सितंबर)

चातुर्मास्य के तीसरे महीने में दूध से परहेज रखा जाएगा।

# PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

## ISKCON, EAST OF KAILASH

**Chirag Delhi**-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017  
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Okhla**- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020  
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934  
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

**Kotla Mubarakpur**- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003  
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Khanpur**- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062  
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Hari Nagar, Ashram**- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)  
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014  
Contact at: 9811281521, 011-26348371  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**East Vinod Nagar**- E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091  
Contact at: 9810114041, 9958680942  
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

**Sriniwas Puri**-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065  
Contact at: 9711120128, 9654537632  
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

**Sangam Vihar**- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080,  
Contact at: 9212495394, 9810438870  
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM  
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)  
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

**Boat Club**-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM  
Contact : 9560291770, 9717647134

**Panchsheel Enclave**-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

**Mayur Vihar**-Srivastava Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar  
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM  
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

**Sarojini Nagar**-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023  
Every Monday 6 PM to 8 PM  
Contact : 9899694898, 9311694898

**Lodi Road**-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact : 9868236689, 8910894795

**R.K.Puram**-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

**Gole Market**-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9560291770, 9717635883

**Sant Kanwar Ram Mandir**-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

**East of Kailash**-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

**East of Kailash**-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

## ISKCON, GURUGRAM

**RADHA KRISHNA MADIR**-New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM  
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Rail Vihar Community Center**  
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Katwaria Sarai** - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

**Ladosarai** - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

**Mehrauli** - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk, Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.  
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.  
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;  
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

**Chattarpur** - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal, Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,  
Contact: 9910290149  
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

**Aya Nagar 1**- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road, Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.  
Contact: 9953891845, 8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

**Aya Nagar 2**- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.  
Contact: 9899729858, 8368656274  
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

**Malviya Nagar** - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.  
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

**Khirk Extension** - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirk Extension.  
Contact No. +91 98911 27996  
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

**Kishan Garh** - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gausala Road Kishan Garh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738  
Every Sunday, 3:00 PM onwards

**Sangam Vihar** - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham, Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.  
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM; Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

**East Of Kailash** - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School, New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.  
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

**Ber Sarai** - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi, Contact - 8882347935, 7065835531  
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

**Vasant Kunj** - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave, New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.  
Every Sunday- 04:00 PM

**Saket** - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket, New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986  
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

**Tigri Extension** - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir, Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117  
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

**Ghitorni** - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni, New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916, 7065835531  
Youth Program- Thursday-7:00PM

**Sultanpur** - 2nd floor, Waliya house, near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030. Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;  
Congregation Program-Friday 5:00 PM

**Prahlad Pur** - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044  
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

**Paharganj** - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106  
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

# Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



## International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: [www.iskcondelhi.com](http://www.iskcondelhi.com) | Live Darshan: [live.iskcondelhi.com](http://live.iskcondelhi.com)

Facebook: [www.facebook.com/iskcondelhi](http://www.facebook.com/iskcondelhi), Contact: 011-41625804, 26235133

**ISKCON, Punjabi Bagh** - 41/77, Srila Prabhupada marg,  
West Punjabi Bagh, Delhi-26  
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

**ISKCON, Dwarka** - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075  
Web: [iskcondwarka.org](http://iskcondwarka.org), Facebook: [www.facebook.com/iskcon.dwarka/](http://www.facebook.com/iskcon.dwarka/)  
Contact: 9891240059, 8800223226

**ISKCON, Gurugram** - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,  
Badshahpur, Gurugram  
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

**ISKCON, Faridabad** - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,  
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,  
Phone : 0129-4145231  
Email : [gopisvardas@gmail.com](mailto:gopisvardas@gmail.com)

**ISKCON, Bahadurgarh** - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,  
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799  
Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON, Rohini** - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,  
Sector-25, Rohini New Delhi 110085  
Phone: +91-9871276969  
Email: [iskcon.rohini@gmail.com](mailto:iskcon.rohini@gmail.com)

**ISKCON Gurugram (Badshahpur)** - Sudarshan Dham,  
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur,  
Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001  
Phone: +91-9250128799, Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON Ghaziabad** - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,  
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002  
Phone: 081309 92863, Email: [iskcon.ghaziabad@pamho.net](mailto:iskcon.ghaziabad@pamho.net)

**ISKCON Chhattarpur** - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,  
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074  
Phone: 099537 40668

**ISKCON Gurugram** - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,  
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003  
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342  
Email: [iskcongurugram.sec45@gmail.com](mailto:iskcongurugram.sec45@gmail.com)

**Sri Sri Radha-Vallabh Temple** - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,  
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006  
Phone: 098112 72600

**Sri Sri Radha Govind Dev Temple** - Opposite NTPC Office, A-5,  
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar  
Pradesh-201301  
Phone: 095604 76959